भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं-3649

उत्तर देने की तारीख-11/08/2025

उत्तर प्रदेश में उन्नत भारत अभियान (यूबीए) 2.0 का कार्यान्वयन

3649. **श्री रामभुआल निषाद:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश, विशेषकर सुल्तानपुर जिले में राष्ट्रीय औसत के संदर्भ में उन्नत भारत अभियान 2.0 के समग्र कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;

(ख) सुल्तानपुर के उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा गोद लिए गए गांवों की कुल संख्या और उक्त अभियान के तहत लाभान्वित छात्रों की संख्या कितनी है;

(ग) उक्त अभियान के तहत जिले में कृषि, जल, ऊर्जा आदि किन क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से कार्य किया गया है; और

(घ) इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): उन्नत भारत अभियान (यूबीए) सितंबर 2014 में शुरू की गई शिक्षा मंत्रालय की एक प्रमुख योजना है। यह देश के उच्चतर शिक्षा संस्थाओं (एचईआई) को गांवों और स्थानीय समुदायों से जोड़ता है ताकि ग्रामीण समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को जान सकें और उनके लिए उचित समाधान प्रदान किए जा सकें। यूबीए का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीण समुदायों और अन्य सरकारी संगठनों के साथ जोड़ना था, जिसका अंतिम लक्ष्य छात्रों को गांवों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के बारे में जागरूक करना था। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली, 50 क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (एनसीआई) के साथ योजना के जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए यूबीए का राष्ट्रीय समन्वय संस्थान (एनसीआई)

है जो इसके साथ ही, जो उच्चतर शिक्षा संस्थाओं के क्षेत्र-विशिष्ट प्रबंधन को सुनिश्चित करता है। 4335 उच्चतर शिक्षा संस्था हैं जिन्हें भाग लेने वाली संस्थाएं (पीआई) कहा जाता है और जिसमें 20534 गाँव शामिल हैं। यूबीए के पास विषय-विशिष्ट प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान प्रदान करने के लिए 15 विषय विशेषज्ञ समूह (एसईजी) हैं। अब तक, 543 तकनीकी मध्यवर्तन/प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान लागू किए जा चुके हैं, जिनमें सतत कृषि, जल संसाधन प्रबंधन, कारीगरों, उद्योगों और आजीविका, बुनियादी सुविधाओं (अवसंरचना और सेवाओं) तथा ग्रामीण ऊर्जा प्रणाली जैसे विभिन्न विषयों/क्षेत्रों/विषय-वस्तु को शामिल किया गया है।

यूबीए 2.0 को उत्तर प्रदेश सहित पूरे भारत में समग्र रूप से कार्यान्वित किया जा रहा है। यह उत्तर प्रदेश में 335 भाग लेने वाली संस्थाओं (पीआई) के माध्यम से 1,666 गाँवों को शामिल करता है। उच्चतर शिक्षा संस्थाओं और अपनाए गए गाँवों का विवरण इस लिंक https://unnatbharatabhiyan.gov.in/participating-institutes?state_id=35 पर देखा जा सकता है।

सुल्तानपुर जिले में, यूबीए 5 भाग लेने वाली संस्थाओं (पीआई) के माध्यम से 24 गाँवों में कार्य कर रहा है। भाग लेने वाली संस्थाओं के छात्रों ने ग्रामीण सहभागिता गतिविधियों जैसे आधारभूत सर्वेक्षण, स्वच्छता, जल प्रबंधन, फसल सुधार और गाँवों के समग्र विकास के लिए स्थायी समाधानों के कार्यान्वयन में सर्वोत्तम पद्धतियों से संबंधित जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। विवरण इस लिंक https://unnatbharatabhiyan.gov.in/list-participating-institutes?csrf_uba=e295dd19447e8b8af25 badaea5fa65e6&aishe_code=&institute_id=&state_id=35&district_id=738&submitSearch=के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, मंत्रालय ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्य सचिवों/प्रशासकों से अनुरोध किया है कि वे अपने राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के उच्चतर शिक्षा संस्थाओं (एचईआई) को इस पहल में भाग लेने के लिए निर्देश दें और जिला प्रशासन को भी इस योजना के कार्यान्वयन में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं को सुविधा प्रदान करने का निदेश दें। मंत्रालय ने सभी जिलाधिकारियों/जिला कलेक्टरों से भी अलग से अनुरोध किया है कि वे अपने जिले में इस योजना के कार्यान्वयन में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) भी इस योजना के प्रभावी कार्यान्वयन में योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा, यूबीए के एनसीआई ने राज्य स्तर पर क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान किया तथा एसईजी और आईसीआई के माध्यम से तकनीकी मार्गदर्शन सुनिश्चित किया।

*****